नाम – विशाल साहिनी

सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में युवाओं की भूमिका

प्रस्तावना–

सतत विकास का अभिप्राय एक निश्चित संगठित रूप से लगातार होने वाले विकास से है तथा हमारी युवा शक्ति का देश को आगे बढ़ाने एवं सतत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है।

आज वर्ष 2022 चल रहा है तथा भारत 2022 में युवाओं की संख्या किसी भी देश की तुलना में सबसे ज्यादा है एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में भारत के नागरिकों की औसत आयु 31 वर्ष होगी अर्थात भारत में सर्वाधिक युवा है युवा शक्ति की सहायता से किसी भी राष्ट्र को आसमान की उन ऊंचाइयों तक पहुंचा जा सकता है जिसकी कल्पना मात्र की जा सकती है हमारे द्वारा चाहे वह विज्ञान का क्षेत्र हो कला का हो या फिर कृषि युवा चाहे तो हर क्षेत्र की काया पलट कर सकता है उन्ही में से कुछ प्रमुख बिंदु नीचे दिए गए हैं।

युवा एवं उसकी शक्ति/ अगर हम कहें कि युवा समाज का सबसे शक्तिशाली वर्ग है तो यह कहना गलत नहीं होगा क्योंकि युवा किसी भी देश की पहचान होता है एवं ऊर्जा तथा शक्ति से ओतप्रोत होता है युवा शक्ति की सहायता से हम अपने देश को बुलंदियों तक पहुंचा सकते हैं बशर्ते युवा अपनी असीम शक्ति का सही दिशा एवं सही जगह उपयोग करें सतत विकास के लक्ष्यों में युवा का महत्वपूर्ण योगदान है फिर चाहे वह कृषि हो या कला अथवा विज्ञान का क्षेत्र हो लेकिन हमारा युवा आज महत्वपूर्ण समय फिजूल की चीजों में व्यतीत कर रहा है आज के इस सोशल मीडिया के युग में युवा Majority of time सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर ही व्यतीत कर रही है जिससे कि राष्ट्र की सतत विकास में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं इसे दूर करना तथा स्वयं इन फिजूल की चीजों से दूर रहना हमारी जिम्मेदारी है सतत विकास अर्थात सर्वागीण विकास के लिए युवाओं को हर क्षेत्र में उन्नत करने की सोचनी चाहिए तथा प्रयास करना चाहिए कि हम अपना संपूर्ण जीवन अपने राष्ट्र को समर्पित कर सकें।

राष्ट्र का निर्माण युवा शक्ति–

राष्ट्र निर्माण एवं युवा शक्ति एक ही सिक्के के दो पहलू हैं इन्हें अलग–अलग नहीं देखा जा सकता है क्योंकि राष्ट्र के विकास में तो संपूर्ण नागरिकों का योगदान होता है लेकिन युवा का दायित्व इन में सर्वोपरि होता है युवा शक्ति की जिम्मेदारी बनती है कि वह अपनी सर्वोत्तम देकर राष्ट्र को आगे बढ़ाएं कुछ एक बात रखना चाहूंगा हमारे सेना के जवानों पर जिनके कंधों पर सवा सौ करोड़ देशवासियों की सुरक्षा का भार है मेरे विचार में सेना में शामिल होना राष्ट्र की सेवा करने का सर्वोच्च स्थान है।

परंतु हम भी एक सच्चे युवा बन सकते हैं अपनी युवा शक्ति का सही इस्तेमाल करके कहते हैं कि

जिस ओर जवानी चलती है उस ओर जमाना चलता है।।

हम अपने आसपास के इलाकों को स्वच्छ रख कर भी अपना योगदान देश के विकास में दे सकते हैं यदि हम शिक्षित हैं तथा हमारे आस–पास यदि अशिक्षित लोग तथा गरीब अथवा कमजोर वर्ग के लोगों को शिक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है राष्ट्र की सेवा करने का अभिप्राय केवल सेना में शामिल होने से नहीं है हम अपने आसपास के दायित्वों को निभा कर भी राष्ट्र की सेवा में योगदान दे सकते हैं।

राष्ट्र का सतत विकास जी एवं युवा शक्ति एक ही सिक्के के दो पहलू हैं– राष्ट्र सतत विकास तथा युवा शक्ति एक ही सिक्के के दो पहलू हैं अर्थात अगर किसी राष्ट्र का युवा अनुशासित कर्म थीरथा योग्य है तो उस देश को आसमान की अनंत ऊंचाइयों पर पहुंचाया जा सकता है क्योंकि किसी विद्वान ने कहा है जिस ओर जवानी चलती है उस ओर जमाना चलता है युवाओं की जिम्मेदारी बनती है कि वह अपनी असीम ऊर्जा का प्रयोग करके भारत को विकासशील देश से विकसित देश बनाएं।

उपसंहार/निष्कर्ष–

अंततः हम कह सकते हैं कि सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में युवा शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है किसी विद्वान ने कहा है कि जिस ओर जवानी चलती है उस ओर जमाना चलता है अगर युवा चाहे तो राष्ट्र को निरंतर विकसित कर सकता है। आज भारत विश्व के सबसे युवा देशों में से एक है अतः आज युवाओं की जिम्मेदारी है कि वह भारत के विभिन्न क्षेत्रों कृषि विज्ञान कला एवं खेल के क्षेत्र में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करें तथा राष्ट्र के सतत विकास में अपना संपूर्ण योगदान दें।